HOMEWORK HINDI DATE: 05/05/2020

CLASS-2

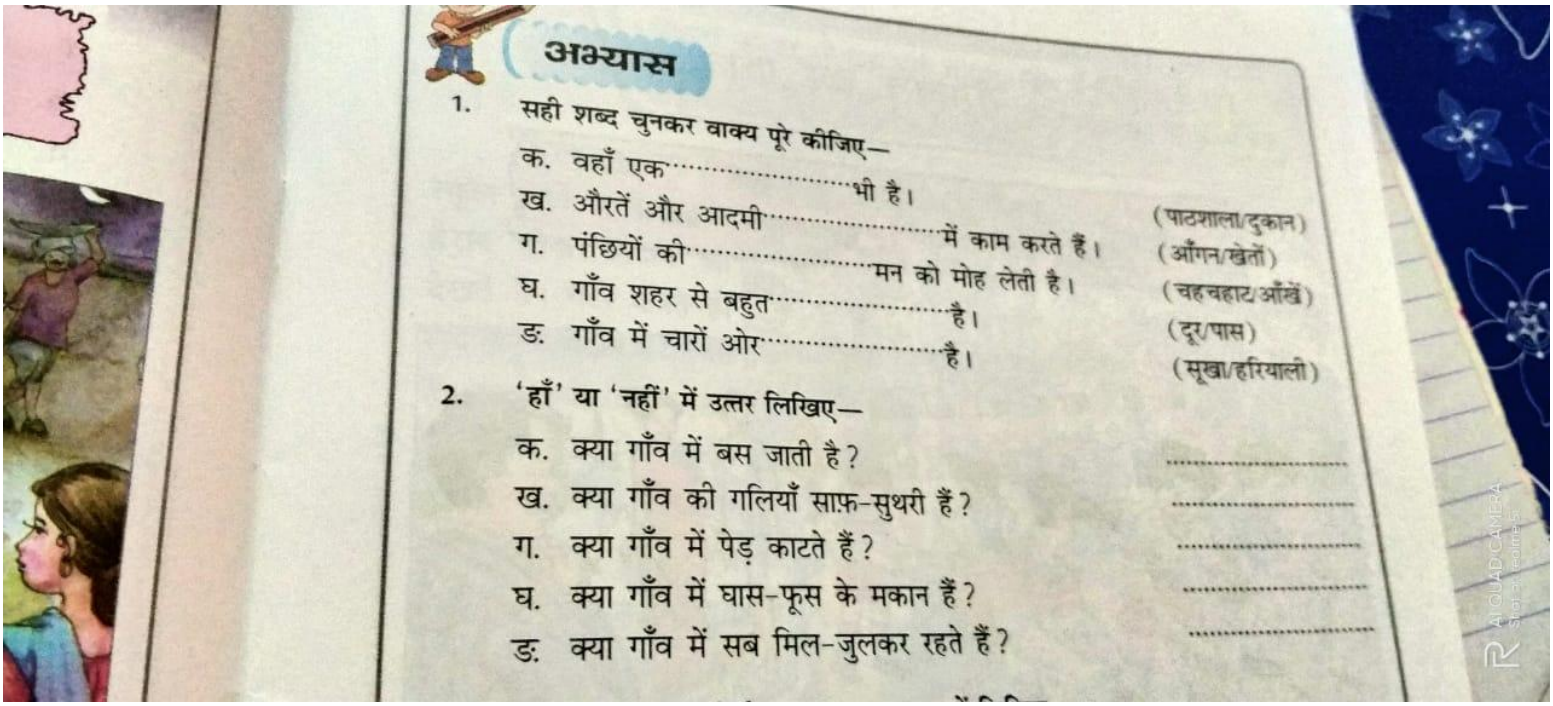

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—

क. वहाँ एक ..... भी है। (पाठशाला/दुकान)

ख. औरतें और आदमी ..... में काम करते हैं। (आँगन/खेतों)

ग. पंछियों की ..... मन को मोह लेती है। (चहचहाट/आँखें)

घ. गाँव शहर से बहुत ..... है। (दूर/पास)

ङ. गाँव में चारों ओर ..... है। (सूखा/हरियाली)

2. 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर लिखिए—

क. क्या गाँव में बस जाती है? .....

ख. क्या गाँव की गलियाँ साफ़-सुथरी हैं? .....

ग. क्या गाँव में पेड़ काटते हैं? .....

घ. क्या गाँव में घास-फूस के मकान हैं? .....

ङ. क्या गाँव में सब मिल-जुलकर रहते हैं? .....

CLASS-3

https://youtu.be/Tuo5Lq1XIn0

(केवल पढ़ने के लिए)

4 पूरे एक हज़ार

मुल्ला नसीरूद्दीन रोज़ सुबह अपने आँगन में प्रार्थना करता था और चिल्लाकर कहता था—"या अल्लाह! मुझे एक हजार दीनार दे। हजार यानी हजार। न एक कम न एक ज्यादा। तू 999 भी देगा तो मैं उसे हाथ तक नहीं लगाऊँगा। सुन लेना।"

मुल्ला की प्रार्थना उसके पड़ोसी रहीम चाचा रोज़ सुनते थे। उन्होंने सोचा देखें मुल्ला सच कह रहा है या झूठ। एक दिन मुल्ला प्रार्थना कर रहा था कि रहीम चाचा ने एक थैली में 999 दीनार डालकर मुल्ला के आगे फेंक दी और छुपकर देखने लगे कि अब मुल्ला क्या करता है।

मुल्ला ने प्रार्थना के बाद आँखें खोलीं तो सामने थैली पड़ी पाई। इधर-उधर देखा। कोई नहीं। उसने हाथ उठाकर खुशी से अल्लाह का शुक्रिया अदा किया। फिर थैली खोलकर सिक्के गिने तो 999 निकले।

"तो आखिर तूने 999 ही दिए।" कहकर मुल्ला ने थैली उठाई और घर में रख दी।

दो दिन हुए, चार दिन हुए, अब मुल्ला न तो पहले की तरह प्रार्थना करता न थैली बाहर निकालता। आखिर रहीम चाचा से रहा नहीं गया। वे मुल्ला के पास गए और बोले, "क्या बात है आजकल प्रार्थना बंद है?"

मुल्ला ने कहा, "पता नहीं कौन कम्बख़्त मेरे आगे 999 दीनार वाली थैली फेंक गया। अल्लाह तो गणित में इतना कच्चा हो नहीं सकता।"

"वह थैली भी मेरी है और 999 दीनार भी," रहीम चाचा ने कहा।

Scanned with CamScanner

"क्या बात करते हो? तुम क्यों ऐसा करोगे भला?"

"मैं देखना चाहता था कि तू सच बोल रहा है या झूठ। ... था कि 999 भी हुए तो ... लगाएगा। लेकिन तूने ... लेकर घर में रख ली। ... न झूठ?"

"लेकिन तुम्हें मेरे और मेरे

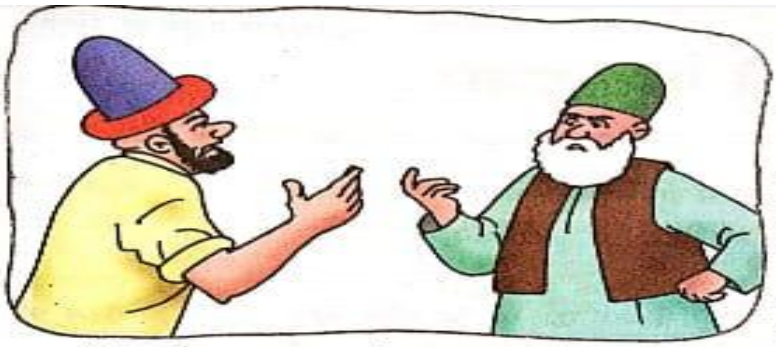

"क्या बात करते हो? तुम क्यों ऐसा करोगे भला?"

"मैं देखना चाहता था कि तू सच बोल रहा है या झूठ। तू कहता था कि 999 भी हुए तो तू हाथ नहीं लगाएगा। लेकिन तूने चुपचाप थैली लेकर घर में रख ली। पकड़ा गया न झूठ?"

"लेकिन तुम्हें मेरे और मेरे अल्लाह के बीच पड़ने की जरूरत क्या थी?" मुल्ला ने कहा।

"ठीक है। भूल हुई। लौटा दे मेरी थैली," रहीम चाचा ने कहा।

"कौन-सी थैली?"

"वही जिसमें 999 दीनार हैं।"

"वह तो अल्लाह ने मुझे दी है। जो गणित में कच्चा नहीं है, उससे भी गिनने में भूल हो सकती है।"

रहीम चाचा अपना-सा मुँह लेकर चले गए।

दूसरे दिन फिर आए और बोले, "ऐसा करते हैं, हम शहर में काज़ी के पास चलते हैं। उन्हें सारी बात बता देते हैं। फिर वह जो इंसाफ़ करें। बोल, मंज़ूर है?"

मुल्ला ने कहा, "मंज़ूर है। मगर एक समस्या है।"

"क्या?" रहीम चाचा ने पूछा।

"मेरे पास ढंग के कपड़े नहीं हैं। काज़ी के पास क्या ऐसे ही फटे-हाल जाऊँगा?"

"चल एक दिन के लिए कपड़े मैं दे दूँगा।"

"एक और समस्या है। मुझसे इतनी दूर पैदल नहीं जाया जाएगा।"

"चल मेरा गधा ले लेना।"

"ठीक है।"

तो दूसरे दिन दोनों पहुँचे शहर काज़ी के पास। रहीम चाचा ने काज़ी को पूरी **दास्तान** सुनाई और अंत में कहा, "थैली मेरी है, मुझे वापस दिलवाई जाए।"

शब्दार्थ: दास्तान—कहानी

Scanned with CamScanner

"तुम्हारा कोई गवाह है?" काज़ी ने पूछा।

गवाह तो रहीम चाचा का कोई नहीं था।

काज़ी कुछ कहते उससे पहले ही मुल्ला बोला, "हुज़ूर! दूसरे की चीज़ को अपनी बताना इनकी आदत है। अभी थैली को अपना बता रहे हैं, कुछ देर बाद कहेंगे मैंने जो कपड़े पहन रखे हैं, वे भी इनके हैं।"

"हाँ तो हैं ही। मेरे ही तो हैं ये कपड़े," रहीम चाचा ने कहा।

"देखा? देखा हुज़ूर! अब ये कपड़े भी इनके हो गए। अब कहेंगे वह गधा भी इनका है जिस पर बैठकर मैं आया हूँ।"

"हाँ तो गधा तो मेरा है ही," रहीम चाचा ने भोलेपन से कहा।

"अब आप ही इंसाफ़ करें, हुज़ूर!" नसीरूद्दीन ने नम्रता से कहा।

"काज़ी ने रहीम चाचा को अपनी आदत से बाज़ आने को कहा, अपना वक्त बिगाड़ने के लिए उन्हें डाँटा और थैली मुल्ला को दे दी।

अपना-सा मुँह लेकर रहीम चाचा लौट आए। थैली भी गँवाई, कपड़ों और गधे से भी हाथ धो बैठे।

चार-पाँच रोज़ गुज़र गए।

फिर एक दिन मुल्ला नसीरूद्दीन रहीम चाचा के घर गए और बोले, "ये लो तुम्हारी थैली, ये कपड़े और ये सँभालो अपना गधा। लेकिन एक बात हमेशा ध्यान में रखना। आइंदा, मेरे और

अभ्यास

पाठ में से

1. दादाजी ने हाथ हिलाते हुए बच्चों को वापस आने का संकेत क्यों दिया?
2. दादाजी ने बारिश का आनंद कैसे लिया?
3. 'पाला' क्या होता है?
4. हिमपात कहाँ और कब होता है?
5. **नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। पाठ के आधार पर लिखिए कि ये कथन किसने कहे और कि**

कथन	किसने कहा	किससे कह
(क) देखो! दादाजी बुला रहे हैं।	.....	.....
(ख) आज बहुत दिन बाद ओले पड़े हैं।	.....	.....
(ग) ये ओले क्या होते हैं?	.....	.....

6. **पाठ के आधार पर नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) बच्चो! चलो। ..... पड़ रहे हैं।

(ख) इतने में राघव के गाल पर कुछ ..... से गिरा।

(ग) कुछ ही देर में बादल भी ..... लगे।

(घ) हल्की .....-सी पड़ रही थीं।

बातचीत के लिए

अभ्यास

पाठ में से

1. सयाल को सब क्यों पसंद करते थे?
2. साँप द्वारा पकड़े जाने पर निर्मला को क्या लगा?
3. साँप पर हमला किसने और कैसे किया?
4. निर्मला ने स्वयं को बचते देख और सयाल को अजगर का शिकार करत
5. **रिक्त स्थान भरिए–**
   (क) सयाल के पिता का नाम ..... था।
   (ख) कुछ फर्लांग की दूरी पार करने के बाद निर्मला .....
   (ग) निर्मला ने भी अपनी पीड़ा को सहने के लिए .....
   (घ) एक क्षण के लिए सयाल बिलकुल .....
   (ङ) निर्मला ने सयाल से कहा कि अगर वह न होती तो साँप उसे .....
6. **पाठ के आधार पर नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। कहानी की घटना संख्या लिखिए–**
   ☐ अचानक यह फुफकार सुनकर निर्मला के प्राण सूख गए।
   ☐ निर्मला खुशी से उछल पड़ी और मवेशियों को हाँकते हुए गाँव
   ☐ अचानक साँप पर किसी ने लाठी से वार किया।
   ☐ साँप सयाल को निगलना चाहता था।
   ☐ गायों की घंटियों की आवाज़ सुनकर सयाल ने इधर–उधर देखा।

बातचीत के लिए

1. सयाल के काँपते कंधे क्या बता रहे थे?
2. सयाल ने निर्मला को भाग जाने के लिए क्यों कहा?
3. आपको स्कूल में क्या–क्या अच्छा लगता है और क्यों?

अभ्यास

ाठ में से

1. लेखक पड़ोसी के प्रति अपनी उदारता का परिचय किस प्रकार देते थे?
2. पड़ोसी की केबल का तार काटने को लेकर लेखक क्या तर्क देते हैं?
3. लेखक ने व्यक्ति और देश के पड़ोसियों की तुलना क्यों की है?
4. पाठ के आधार पर बताइए कि अकसर पड़ोसियों में किन बातों को लेकर बहस हो
5. **पाठ के आधार पर नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। सही कथनों के आगे सही (✓) और गलत कथनों के आगे गलत (✗) का निशान लगाइए–**

- ☐ तूश के शॉल पर चटनी का दाग लगने से लेखक की पत्नी बहुत परेशान थी।
- ☐ लेखक का व्यवहार अपने पड़ोसियों के प्रति उदार था।
- ☐ लेखक को पड़ोसी की पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता थी।
- ☐ पड़ोसियों के बीच चाय की पत्ती, प्याज़, साड़ी आदि का लेन-देन होता था।
- ☐ लेखक कूड़ा फेंकने की अपनी गलती को पड़ोसी के सामने मान लेते थे।

ातचीत के लिए

1. तूश-प्रकरण को अपने शब्दों में बताइए।
2. महिलाओं के बीच पड़ोसी धर्म निभाने का सिलसिला समाप्त क्यों हो जाता है?
3. कोई ऐसी घटना बताइए जब आपके पड़ोसी ने अपना पड़ोसी धर्म निभाते हुए आपकी स
4. क्या वास्तव में लेखक और उनके पड़ोसी का व्यवहार एक-दूसरे के प्रति उदार था? अपने

नुमान और कल्पना

1. यदि लेखक और उनके पड़ोसी का व्यवहार एक-दूसरे के प्रति अच्छा होता, तो उनके परिवर्तन आता?
2. यदि लेखक और उनके पड़ोसी वास्तव में 'अच्छे पड़ोसी' होते, तो वे शीत युद्ध की स निपटते?

Scanned wi

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–